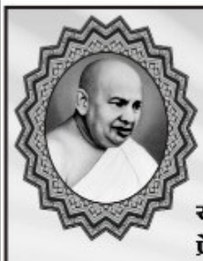

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ | स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 25 * अंक : 7 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 1 जुलाई 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

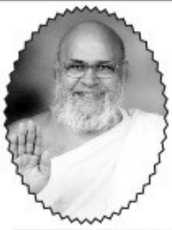

आचार्यदेवेशश्री की पावन निश्रा में श्री तातेड़ द्वारा पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के चित्र का स्थापन

श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में विकास यात्रा तीव्र गतिमान

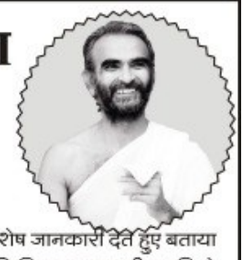

पाट पर चित्र स्थापन

उदयपुर, (स. सं),

अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में परम पूज्य पुण्य-सम्राट राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं कृपासिन्धु, योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्यरत्न भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, एकता के प्रबल पक्षधर, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमणवृन्द एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमणिवृन्द की शुभ निश्रा में प. पू. साहित्य-मनीषी, कविहृदय, राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 8.37 के अन्तिम विश्राम स्थल श्री यतीन्द्र विहार उपाश्रय में नवनिर्मित आरस पाट पर पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी महाराजा के चित्र का स्थापन दिनांक 17 जून 2019 को शुभ मुहूर्त में प्रातः 6.45 बजे मध्यप्रदेश त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ के अध्यक्ष, परम गुरुभक्त श्री सुरेशजी तातेड़, राजगढ़ के करकमलों द्वारा विधि सहित पूजन-अर्चन के साथ किया गया।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने विशेष जानकारी देते हुए बताया कि आचार्य-देवेशश्री के कुशल निर्देशन में महातीर्थ की विकास यात्रा तीव्र गति से गतिमान है। तीर्थाधिपति श्री महावीर प्रभु के 52 जिनालय का कार्य अपने अन्तिम चरण में गतिमान है। तीनों गुरु मन्दिरों के पत्थरों को तराशने एवं जोड़ने का कार्य चालू है। कमलाकार चार शाश्वता जिनालय का कार्य भी कुशल शिल्पियों द्वारा चल रहा है। 72 जिनालय के निर्माता श्रीमती सुआदेवी सुमेरमलजी लुंकड़ परिवार द्वारा सम्पूर्ण लाभ लेकर यात्रियों की सुविधा हेतु अत्याधुनिक धर्मशाला का निर्माण भी तीव्र गति से चल रहा है। मुनिराजश्री ने बताया कि शीघ्र ही सारे निर्माण कार्य पूर्ण होने पर अतिशीघ्र ही भव्य प्रतिष्ठा की दिनांक घोषित की जायेगी।

भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवश्री के दर्शनार्थ एवं आशीर्वाद प्राप्त करने को नित्य श्रद्धालुओं का आवागमन तीर्थ पर चालू है।

आचार्यदेवेशश्री की कुछ दिन स्थिरता श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में रहेगी। यहाँ से बागोड़ा वाली होते हुए 8 जुलाई 2019 को साँचोर, 10-11 जुलाई 2019 को नेनावा होते हुए 13 जुलाई 2019 को धानेरा (गुजरात) पहुँचेंगे जहाँ आचार्यदेवेशश्री आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का चातुर्मासार्थ भव्य मंगल प्रवेश होगा।

धानेरा श्रीसंघ में चातुर्मासिक तैयारियाँ उत्साह के साथ हो रही है। अपने लाड़ले आचार्यदेवश्री की अगवानी में पूरे नगर को सुसज्जित किया गया है तथा तोरण द्वार बनाए गए हैं। चातुर्मास प्रवेश के प्रसंग पर सम्पूर्ण भारत के श्रीसंघों को पधारने हेतु धानेरा श्रीसंघ ने आमन्त्रित किया है।

श्री तातेड़ द्वारा पूजन

आचार्यदेवेशश्री वासक्षेप करते हुए

आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने विधिवत वासक्षेप करते हुए वन्दना एवं स्तुति की। इस अवसर पर अनेक गुरुभक्त उपस्थित थे।

समस्त आचार्य भगवन्तों एवं श्रमण-श्रमणिवृन्दों
के सन् 2019 के चातुर्मासार्थ
भव्य मंगल प्रवेश
पर
यतीन्द्र वाणी परिवार
का
वन्दन ! अभिनन्दन !!

गच्छाधिपतिश्री की पावन निश्रा में शिलान्यास : विहारानुक्रम में स्वागत

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में कुक्षी नगर में महात्मा गाँधी मार्ग स्थित श्री शान्तिनाथ मन्दिर में शिलान्यास का आयोजन सम्पन्न हुआ।

गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में शिलान्यास

गच्छाधिपतिश्री आदि ठाणा की शुभ निश्रा में प्रातः श्री सीमन्धरस्वामी मन्दिर से बाजे-गाजे के साथ प्रभुजी की प्रतिमा को बड़े मन्दिर लाया गया, उसके बाद स्नात्र पूजन व पाटला पूजन किया गया। लाभार्थियों द्वारा शिलान्यास का लाभ लिया गया। शिलान्यास की सम्पूर्ण विधि चैन्नई के विधिकारक श्री सत्यविजयजी हरण ने करवाई। शिलान्यास पर होने वाली मुद्राएँ धर्मदिवाकरश्री ने की और शिलान्यास का पत्थर जैसे ही मन्दिर की भूमि पर रखा तो नगरजनों में उत्साह और उमंग हिलोरे लेने लगा और नृत्य करते हुए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

सारी विधि सम्पन्न करवा कर गच्छाधिपतिश्री ने बड़े उपाश्रय में आकर मंगलाचरण करते हुए प्रवचन सभा का प्रारम्भ किया। गच्छाधिपतिश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि मुझे जहाँ तक स्मरण है कि पुण्य-सम्राटश्री कहते थे कि ये मेरा पीहर का गाँव है जहाँ मुझे आत्मिक शान्ति मिलती है और यहाँ बार-बार आने का भाव होता है। कुक्षी जैन श्रीसंघ की ओर से गच्छाधिपतिश्री को काम्बली ओढ़ाकर कृतज्ञता प्रकट की।

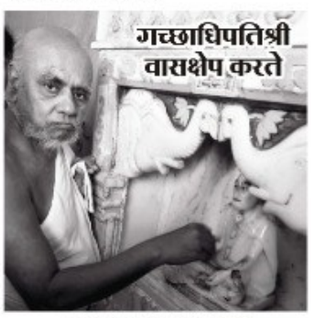

गच्छाधिपतिश्री वासक्षेप करते

गच्छाधिपतिश्री एवं श्रीसंघ की उपस्थिति में श्री आदिनाथ मन्दिर में श्री पुण्डरीकस्वामी भगवान की प्रतिमा लाभार्थी परिवार द्वारा विराजमान की गई तथा श्री सीमन्धरस्वामी मन्दिर में दादा गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की प्रतिमा लाभार्थी परिवार द्वारा स्थापित की गई। श्रीसंघ व बाहर से पधारे अतिथियों की नवकारसी एवं स्वामी-वात्सल्य श्रीसंघ की ओर से किया गया।

इस अवसर पर कुक्षी के प्रतिष्ठित परिवार के श्री सुरेन्द्रजी पोरवाल (धनराजजी चम्पालालजी) इन्दौर श्रीसंघ अध्यक्ष एवं श्री विनोदजी जैन, मुकेशजी जैन ने इन्दौर में होने वाली मन्दिर की प्रतिष्ठा की पत्रिका गच्छाधिपति को अर्पण करते हुए गच्छाधिपतिश्री और कुक्षी श्रीसंघ को प्रतिष्ठा में पधारने की विनती की।

पिपलौदा श्रीसंघ चातुर्मास प्रवेश पत्रिका अर्पण करते

यहाँ से गच्छाधिपतिश्री आदि ठाणा का मनावर, अमीझरा पार्श्वनाथ, धार पधारने पर वहाँ के श्रीसंघों ने भव्य मंगल प्रवेश बैण्ड-बाजे के साथ सामैया करके करवाया। पट्टधरश्री घाटा बिल्लोद होते हुए इन्दौर पधारेंगे जहाँ आपकी निश्रा में भव्य प्रतिष्ठा महोत्सव के साथ सम्पन्न होगी। विहारानुक्रम में पिपलौदा श्रीसंघ ने आकर चातुर्मास प्रवेश की पत्रिका अर्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इन्दौर से पिपलौदा की ओर चातुर्मासार्थ विहार रहेगा। दिनांक 12 जुलाई 2019 को गच्छाधिपतिश्री आदि ठाणा का भव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश होगा। पिपलौदा में चातुर्मासिक तैयारियाँ तीव्र गति से चल रही है। बंगाल के कारीगरों द्वारा आधुनिक मण्डप तैयार किये जा रहे हैं। चातुर्मास के लिए बनाई गई विभिन्न समितियाँ अपने कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करने को उत्साह से कार्य कर रही है।

वर्षावास

धर्म-प्रचार की दृष्टि से भारत में चातुर्मास का अवसर एक स्थायी महत्व रखता है। इन चार महिनों में प्रायः सभी धर्मों के साधु-मुनिराज-सन्त स्थिरवास करते हैं एवं अपने-अपने सिद्धान्त-शास्त्रों का वांचन-पाठन-व्याख्यान करते हैं और अपने अनुयायियों को धर्ममयी जीवन यापन करने की ओर प्रेरित करते हैं। इसके साथ-साथ उनमें भ्रातृत्व, संगठन, दया, दान, विद्या-प्रेम आदि सद्भावों का संचार करने के साथ इनकी क्रियान्विति भी करने का पूरा-पूरा प्रयत्न करते हैं।

भारत इन वर्षों में अपनी आर्थिक-शक्ति के विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। इस विकास में गतिशील रहने के लिए मानव की संयुक्त-शक्ति अधिक उपादेय मानी गयी है। राष्ट्र इस शक्ति की वृद्धि करने के लिए बहुत कुछ प्रयत्न भी कर रहा है, परन्तु वह वैसी नहीं बढ़ पाई है, जैसी बढ़नी चाहिए थी। इस त्रुटि के मूल में पारस्परिक प्रेम, सौहार्द, संगठन, विश्वास, साहचर्य आदि भावों का नितान्त अभाव ही है। राष्ट्र की इकाई से जैन समाज कोई अलग इकाई नहीं है। यह कार्य जैनाचार्य, मुनि, साधु सहज और भली-विध कर सकते हैं, कारण कि इन भावों अथवा गुणों की प्राप्ति में वे सहज ही योग दे सकते हैं। बड़ा और कठिन तप करने के तो वे अभ्यासी हैं। यह तप-कर्म वे चाहें तो कर सकते हैं। इसमें उनको राष्ट्र-मोह-कर्म अथवा देश-मोह-कर्म का बन्धन भी नहीं लग सकता, क्योंकि उनकी भावना यह तो नहीं होगी कि भारत के जैन ही संगठित हों, शक्ति सम्पन्न हों या वे जो जैन हैं उन्हीं को उद्बोधन देते हैं। जैनाचार्य एवं साधु-मुनियों को विश्व-बन्धुत्व की भावना के साथ भारत की सेवा के क्षेत्र में भी योगदान देना चाहिए – ऐसी प्रार्थना है।

समूचे भारत को लक्ष्य में रखकर, राष्ट्र के कर्णधारों के कार्य को सुगम बनाने का ध्यान रखकर इतना अवश्य करें कि जहाँ वे चातुर्मास बिराजित हों वहाँ–

1. समाज में विद्यमान कुसंगठन को समाप्त कर संगठन उत्पन्न करें।
2. हानिकर सामाजिक कुरीतियों को बन्द करें।
3. अनावश्यक व्यय एवं अपव्यय को रोकें।
4. होनहार एवं निर्धन युवकों को सप्रेम सहयोग कराने का हित कार्य करें।
5. विद्या-प्रेम जागृत करें।
6. स्व-मण्डन एवं पर-खण्डन की आदत का सर्वथा त्याग करें।
7. 'जीओ और जीने दो' के महामन्त्र का प्रचार-प्रसार करें।
8. अहिंसा एवं शाकाहार के महत्व को समझाते हुए हिंसा को रोकें।
9. विश्व-बन्धुत्व तथा विश्व-शान्ति के प्रयासों में सक्रिय हों।

आया शुभ चातुर्मास, धर्म-ध्यान करें खास,
सन्त-सतियों के पास, सुनें धर्म-सार है।
बेला-तेला-उपवास, अट्ठाई या पूरा मास,
तपस्या से तन-मन, बने निर्विकार है।
मिटा दें सभी विवाद, प्रेम का गूँजे निनाद,
प्रभु के गुणानुवाद, जपें नवकार हैं।
लक्ष चौरासी जीवों से, क्षमायाचना करके,
'पारदर्शी' कर्म काट, पाएँ मोक्ष-द्वार हैं।

-देहदानी ॐ 'पारदर्शी',
उदयपुर (राज.)

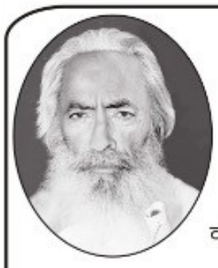

योगी-वाणी

प्रार्थना और विश्वास दोनों अदृश्य हैं

परन्तु

दोनों में इतनी शक्ति हैं कि नामुमकिन को भी मुमकिन बना देता है।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

अलिराजपुर में शिलापूजन सम्पन्न

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, प्रवचनकार श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री सिद्धरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में जैन श्रीसंघ, अलीराजपुर के तत्वावधान में श्री हेमेन्द्र भवन में शिलापूजन (शिलान्यास) एवं शिला विराजमान कार्यक्रम विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ।

दिनांक 19 जून 2019 को प्रातः 7.30 बजे शिलाओं का बैण्ड-बाजों के साथ नगर प्रवेश कराया गया। प्रातः 8.15 बजे विविध शिलाओं के पूजन एवं विराजमान का लाभ विभिन्न परिवारों द्वारा लिया गया जिसमें मुख्य कुर्म शिला के लाभार्थी श्री कुन्दनमलजी कन्हैयालालजी (काकड़ी वाला) परिवार, पूर्व दिशा सौभागिनी शिला के लाभार्थी श्री अनिलकुमारजी अमृतलालजी परिवार, दक्षिण दिशा भद्र शिला के लाभार्थी श्री सन्तोषीलालजी केसरीमलजी परिवार, पश्चिम दिशा रिक्ता शिला के लाभार्थी श्री राजेन्द्रकुमारजी रतनलालजी परिवार, उत्तर दिशा अपराजिता शिला के लाभार्थी श्री प्रभावचन्दजी हरकचन्दजी परिवार, ईशान कोण शुक्ला शिला के लाभार्थी श्री रमेशचन्दजी रतिचन्दजी परिवार, अग्नि कोण नन्दा शिला के लाभार्थी श्री प्रमोदकुमारजी अमृतलालजी परिवार, नैऋत्य कोण जया शिला के लाभार्थी श्री सुरेन्द्रकुमारजी मन्नालालजी परिवार, वायव्व कोण अजिता शिला के लाभार्थी श्री बाबूलालजी राजमलजी परिवार एवं गर्भनाल के लाभार्थी श्री प्रफुल्लकुमारजी बसन्तीलालजी परिवार ने लिया। इस अवसर पर निकटवर्ती नगरों से श्रीसंघ एवं गुरुभक्त पधारे। कार्यक्रम के पश्चात् जैन श्रीसंघ, अलीराजपुर द्वारा स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया।

मासिक पुण्यतिथि पर हुए आयोजन

उदयपुर (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर धर्म दिवाकर, गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघशिल्पी, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के शुभाशीर्वाद से प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी म. सा. की 26 वीं पुण्यतिथि दिनांक 24 जून 2019 को त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ एवं परिषद् परिवार, राजगढ़ द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के साथ आयोजित की गई।

पुण्यतिथि निमित्त प्रातः 9 बजे श्री जयन्तसेन म्यूजियम परिसर में जाकर पुण्य कलश के दर्शन किए गए। प्रातः 10 से 11 बजे तक सामूहिक सामायिक एवं नवकार जाप श्री राजेन्द्रभवन में किया गया। दोपहर में श्री जयन्तसेनसूरि अष्टप्रकारी पूजन पढ़ाई गई। सभी कार्यक्रमों में श्रीसंघ एवं परिषद् परिवार के सदस्यों की उपस्थिति रही। अनेक गुरुभक्तों ने श्री राजेन्द्र भवन में सामूहिक आयम्बिल की तपस्या की। आयम्बिल, सामायिक एवं पूजन के लाभार्थी श्री शैतानमलजी शान्तिलालजी डाँगी परिवार राजगढ़ थे एवं वार्षिक लाभार्थी- प्रति पुण्य सप्तमी को श्री जयन्तसेनसूरि अष्टप्रकारी पूजन के लाभार्थी श्री आनन्दीलालजी माँगीलालजी सराफ परिवार थे।

पाटण में पुण्य-सम्राट की पुण्यतिथि

उदयपुर (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय के शुभाशीर्वाद से प. पू. त्रिस्तुतिक जैनाचार्य, पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी म. सा. की 26 वीं पुण्यतिथि दिनांक 24 जून 2019 को त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ पाटण द्वारा मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में मनाई की गई।

पुण्यतिथि निमित्त पंचासरा जिनालय में परमात्मा की अंगरचना एवं जीवदया के कार्यक्रम का लाभ दाधाल (राज.) निवासी मातुश्री दरियादेवी चन्दनमलजी जोटा परिवार मुम्बई-अहमदाबाद वालों ने लिया। पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की आरती का लाभ नारोली (गुज.) निवासी मातुश्री सविताबेन अमृतलाल वोरा परिवार के चम्पकभाई अमृतलाल वोरा (ट्रस्टी- जन्मभूमि, भरतपुर तीर्थ) ने लिया।

पुण्य सप्तमी पर गणवेश वितरण

उदयपुर (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय के शुभाशीर्वाद से प. पू. त्रिस्तुतिक जैनाचार्य, पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेन सूरीश्वरजी म. सा. की 26 वीं पुण्यतिथि दिनांक 24 जून 2019 को अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद्, शाखा मैसूर द्वारा आश्रम स्कूल में जाकर 45 बच्चों को विद्यालय गणवेश (युनिफार्म) वितरीत की गई। इस अवसर पर परिषद् के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

देव-गुरु-धर्म की शरण से ही आत्मा निरोगी बनती है -साध्वीश्री

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री विद्वद्गुणाश्रीजी, अनेकान्तलताश्रीजी एवं रश्मिप्रभाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा का पदार्पण श्री राजेन्द्रसूरि ज्ञान मन्दिर, महिदपुर रोड़ में हुआ।

पूज्या साध्वीश्री ने जिनवाणी का श्रवण कराते हुए कहा कि शरीर के रोगों को मिटाने के लिए तो चिकित्सालय है परन्तु आत्मा के रोगों को मिटाने के लिए और कर्मों की निर्जरा करने के लिए हमें देव-गुरु-धर्म की शरण में जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हम विरति-धर्म को स्वीकार नहीं कर सकते, बारह कर्त्तव्यों का पालन भी नहीं कर सकते लेकिन हमें रात्रि भोजन एवं कन्दमूल का त्याग तो अवश्य करना चाहिये। क्योंकि ये दोनों नर्क में जाने के नेशनल हाईवे हैं। सन्तों का आगमन ही हमारे जीवन में परिवर्त्तन लाता है, चातुर्मास में चार माह हमारी धर्म के प्रति एक्शन होती है परन्तु आठ महीने हम कोई रिएक्शन नहीं देते हैं, हमारी धर्म के प्रति सजगता बारहों महीने निरन्तर गतिमान रहनी चाहिये। अगर हमें नर्क में जाने से बचना है तो आजीवन कन्दमूल एवं रात्रि भोजन का त्याग करना पड़ेगा।

महामन्त्र की बात करते हुए कहा कि परमात्मा महावीर के शासन में नवकार महामन्त्र हमें विरासत में प्राप्त हुआ है जिसके प्रत्येक पद में अथाह शक्ति भरी हुई है। हमें मात्र श्रद्धापूर्वक इसको जपना है, इसके जपने से पूर्व में कई आत्माओं ने भवसागर से पार करते हुए अपनी आत्मा का कल्याण किया है। पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आप स्वयं भी नवकार महामन्त्र के आराधक, महाज्ञानी, वात्सल्यता एवं प्रेम की प्रतिमूर्त्ति थे। आपने जीवन भर शासन प्रभावना के कार्य करते हुए अनेक आत्माओं को विरति धर्म अंगीकार करवाया एवं अपनी आत्मा का कल्याण किया।

श्री सचिन भण्डारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर विशाल संख्या में श्रावक-श्राविका उपस्थित रहे।

महिला परिषद् द्वारा जल वितरण

उदयपुर (स. सं.),

मालवा के धार नगर में गरीब बस्तियों में पीने के पानी की अत्यधिक कमी को देखते हुए अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद् शाखा धार द्वारा गरीब बस्ती में पानी का टेंकर भेज कर पानी का वितरण किया गया। इस अवसर पर परिषद् परिवार की सभी सदस्याएँ उपस्थित थी।

गरीबों को खाना व मिष्ठान वितरण

उदयपुर (स. सं.),

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन तरुण परिषद् आलोट द्वारा राष्ट्रीय ग्रीष्मोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 22 जून 2019 को गरीबों को खाना और मिष्ठान का वितरण किया गया जिसके लाभार्थी श्री बाबूलालजी आँचलिया एवं श्री अशोकजी आँचलिया परिवार थे। इस अवसर पर सभी सदस्य उपस्थित रहे।

नागदा में अनुमोदनीय निर्णय

उदयपुर (स. सं.),

इस वर्ष नागदा नगर में पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी एवं पू. साध्वीश्री भुवनप्रभाश्रीजी म. सा. की शिष्या साध्वीश्री अमृतरसाश्रीजी म. सा. व साध्वीश्री निरागरसाश्रीजी म. सा. का 2019 के चातुर्मास के लिए मधुकर चातुर्मास समिति का गठन किया गया।

चातुर्मास में अनेक आराधना और तप-त्याग सहित विभिन्न अनुष्ठान आयोजित किये जायेंगे। परन्तु अनावश्यक और व्यर्थ खर्च को बढ़ावा नहीं देने के लिए समिति में निर्णय लिया गया कि चातुर्मास में प्रवेश आदि पत्रिका का मुद्रण कार्य नहीं कर सिर्फ सोश्यल मिडिया का उपयोग कर कागज और डाक खर्च का व्यय नहीं किया जायेगा और साथ ही ज्ञान की आशातना और लक्ष्मी का व्यर्थ व्यय को रोका जायेगा। नागदा श्रीसंघ की यह पहल अनुमोदनीय एवं अभिनन्दनीय है।

जैन समाज का लोकप्रिय एवं सबसे अधिक संख्या में प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक

यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये।
घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

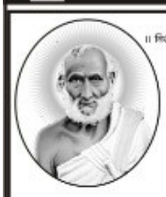
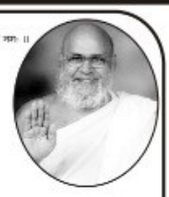

पिपलौदा नगरे

पुण्य-सम्राट, युगप्रभावकाचार्य गुरुदेव
श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर
गच्छाधिपति, धर्मदिवाकर
श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा.
आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का

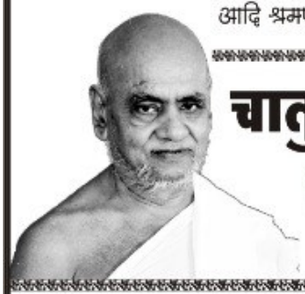

चातुर्मास प्रवेशोत्सव

दिनांक 12 जुलाई 2019
शुक्रवार

गच्छाधिपतिश्री के पावन पदार्पण के शुभावसर पर
आप सपरिवार श्रीसंघ सहित पिपलौदा पधारिये !

* निवेदक *
श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्वे. श्रीसंघ, पिपलौदा
श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ-राजेन्द्र-यतीन्द्र-जयन्तसेन वाटिका ट्रस्ट
नवयुवक-तरुण-महिला-बहू-बालिका परिषद्
पिपलौदा, जिला- रतलाम (मध्यप्रदेश)

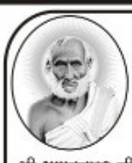

गुजरात की धन्य धरा
श्री धानेरा नगरे

श्री भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री **जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.** व
विदुषी साध्वीश्री **सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा.** आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द के

वर्षावास प्रवेश
प्रसंगे
आमन्त्रण

* शुभदिन *
आषाढ़ शुक्ला-12
13 JULY 2019
शनिवार

* दिव्यकृपा *

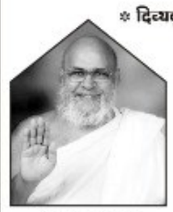

प. पू. पुण्य-सम्राट
श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा.

प. पू. कृपासिन्धु, योगिराज
श्री शान्तिविजयजी म. सा.

* आशीर्वाद *

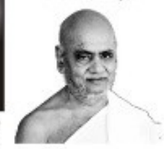

प. पू. गच्छाधिपति
श्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा.

मंगल कार्यक्रम

प्रातः 9 बजे : सामैया प्रारम्भ
श्री शीतलनाथ जैन मन्दिर, पारस सोसायटी
सभा स्थल- श्री शान्तिनाथ जैन मन्दिर, शान्ति बाजार

आचार्य भगवन्तश्री के पावन पदार्पण के शुभावसर पर
आप सपरिवार श्रीसंघ सहित धानेरा पधारिये !

* चातुर्मास स्थल *
श्री लाधाणी जैन उपाश्रय (श्रमण भगवन्त)
श्री सवाणी उपाश्रय (श्रमणी भगवन्त)

* चातुर्मास आयोजक *
श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ-धानेरा
मु. पो.- धानेरा जिला- बनासकांठा (उ. गु.), श्री जैन संघ पेढ़ी - 02748-222241
सम्पर्क- श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर, मु. पो.- धानेरा, जिला- बनासकांठा (उ. गु.)

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने वहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

* रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक *
http://bhandavpur.com/registration-form/
SCAN ME

bhandavpur
bhandavpur@gmail.com
+91-7340009222
www.bhandavpur.com
पेढ़ी +91-7340019702-3-4
BTveer

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी
हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना-प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है।
चैक या ड्राफ्ट '**यतीन्द्र वाणी**' के नाम से भेजे।

* लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। *
सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th of every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित